✺ 23 अप्रैल 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] हर एक मनुष्य में अपनी-अपनी खूबी होती है ना। बैरिस्टर, बैरिस्टर है। डॉक्टर, डॉक्टर है। हर एक की ड्युटी, पार्ट अलग-अलग है। हर एक की आत्मा को अपना-अपना पार्ट मिला हुआ है और अविनाशी पार्ट है। कितनी छोटी आत्मा है। वन्डर है ना। गाते भी हैं चमकता है भ्रकुटी के बीच.....।

2] बाप सोनार का भी काम करते हैं। पतित आत्मायें, जिनमें खाद पड़ती है, उनको प्योर बनाते हैं। खाद पड़ती तो है ना। चांदी, तांबा, लोहा आदि नाम भी ऐसे हैं। गोल्डन एज, सिलवर एज.....सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो..... यह बातें और कोई भी मनुष्य, गुरु नहीं समझायेंगे। एक सतगुरु ही समझायेंगे।

3] बाप कहते हैं पहले आत्मा पतित बनी है तब शरीर भी पतित बना है। सोने में ही खाद पड़ती है तो फिर जेवर भी ऐसा बनता है। परन्तु वह सब है भक्ति मार्ग में। बाप समझाते हैं हर एक में आत्मा विराजमान है, कहा भी जाता है जीव आत्मा। जीव परमात्मा नहीं कहा जाता। महान् आत्मा कहा जाता है, महान् परमात्मा नहीं कहा जाता।

4] बाप समझाते हैं मैं बैठ तुम बच्चों को अपना परिचय देता हूँ। मैं आता ही उसमें हूँ जो अपने जन्मों को नहीं जानते। यह भी अभी सुनते हैं। मैं इनमें प्रवेश करता हूँ। पुरानी पतित दुनिया, रावण की दुनिया है। जो नम्बरवन पावन था वही फिर नम्बर लास्ट पतित बना है। उनको अपना रथ बनाता हूँ। फर्स्ट सो लास्ट में आया है। फिर फर्स्ट में जाना है।

✺ योग-

1] योग तो है साइलेन्स। ज्ञान की होती है डांस। योग में तो बिल्कुल शान्त रहना होता है। डेड साइलेन्स कहते हैं ना। तीन मिनट डेड साइलेन्स। परन्तु उसका भी अर्थ कोई जानते नहीं। सन्यासी शान्ति के लिए जंगल में जाते हैं परन्तु वहाँ थोड़ेही शान्ति मिल सकती है। एक कहानी भी है रानी का हार गलें में.... यह मिसाल है शान्ति के लिए।

2] बाप रोज़-रोज़ समझाते रहते हैं। फिर भी कहते हैं एक बात कभी नहीं भूलना-पावन बनना है तो मुझे याद करो। अपने को आत्मा समझो। देह के सभी धर्म त्याग करो। अब तुमको वापिस जाना है।

✺ धारणा-

1] ब्राह्मण है सबसे ऊंच कुल। इनको डिनायस्टी नहीं कहेंगे। डिनायस्टी अर्थात् जिसमें राजाई होती है। यह तुम्हारा कुल है। है बुहत सहज, हम ब्राह्मण सो देवता बनने वाले हैं इसलिए दैवीगुण जरूर धारण करने है।

2] मेरे-मेरे के इमलों को छोड़ बेहद में रहो तब कहेंगे विश्व कल्याणकारी।

✺ सेवा-

1] इतना निश्चय है– यह बाबा है, इनसे हमको वर्सा लेना है। वर्सा तो सबको मिलना है। परन्तु राजाई में तो नम्बरवार पद हैं। जो बहुत अच्छी सर्विस करते हैं उनको तो बहुत अच्छी प्राइज़ मिलती है। यहाँ सभी को प्राइज़ देते रहते हैं, जो राय देते हैं, माथा मारते हैं, उनको प्राइज़ मिल जाती है।